बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-15
06/01/2020

अररिया में बन रहे नये इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम फणीश्वरनाथ रेणु अभियंत्रण महाविद्यालय होगा :– मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने अररिया को दी कई सौगात, 727 करोड़ रूपये से अधिक की योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

पटना, 06 जनवरी 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज अररिया जिला स्थित अररिया कॉलेज परिसर में जल–जीवन–हरियाली यात्रा अंतर्गत जागरूकता सम्मेलन में 727 करोड़ 93 लाख रुपये की लागत वाली 478 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास रिमोट के माध्यम से किया। दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्यमंत्री ने जागरूकता सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया। अररिया जिलाधिकारी ने पौधा भेंटकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। स्थानीय नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को गुलदस्ता, अंगवस्त्र एवं फूलों की बड़ी माला पहनाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने जल–जीवन–हरियाली अभियान पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन किया। जागरूकता सम्मेलन में जीविका दीदियों ने जल–जीवन–हरियाली अभियान पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। पूर्व विधायक श्री पदम् पराग रेणु ने मुख्यमंत्री को पुस्तक भेंट किया। जल–जीवन–हरियाली योजना पर आधारित हस्त निर्मित प्रतीक चिन्ह भी मुख्यमंत्री को भेंट किया गया।

सम्मेलन से पूर्व अररिया प्रखंड के राज हयातपुर पंचायत स्थित रजोखर ग्राम में राजीव गांधी केंद्र (मनरेगा भवन) का उद्घाटन मुख्यमंत्री ने शिलापट्ट का अनावरण कर किया। जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने जीर्णोद्धार किये गए राजा पोखर तालाब रजोखर का निरीक्षण करने के बाद सघन बागवानी (आम), सघन वृक्षारोपण, बॉयोफ्लॉक प्रत्यक्षण इकाई का मुआयना किया। राजा पोखर तालाब किनारे मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण किया। राजा पोखर तालाब पर स्थानीय नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने पुष्प–गुच्छ भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने अररिया कॉलेज परिसर में शिलापट्ट का अनावरण कर नवनिर्मित हरियाली पार्क का उद्घाटन कर पार्क प्रांगण में भी वृक्षारोपण किया। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के लाभुकों के बीच मुख्यमंत्री ने प्रतीक स्वरूप वाहन की चाबी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने जीविका समूह द्वारा संचालित कृषि यंत्र बैंक की भी चाबी प्रदान की।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सबसे पहले कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का हृदय से अभिनंदन करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। जब से आपने हमें काम करने का मौका दिया है, तब से हम न्याय के साथ विकास के काम में लगे हुये हैं। हाशिये पर खड़े हर तबके के उत्थान के लिए विशेष पहल कर उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया। 2008 में कोसी त्रासदी हुई थी और 2007 में आई बाढ़ में 22 जिलों के 2.5 करोड़ लोग प्रभावित हुए थे, जिन्हें समय पर राहत पहुंचायी गयी थी। आपदा प्रबंधन के माध्यम से बिहार में पहली बार

2007 में आपदा पीड़ितों को मदद पहुंचायी गयी। उन्होंने कहा कि सरकार के खजाने पर आपदा पीड़ितों का पहला हक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अररिया महाविद्यालय में बहुत अच्छा काम हुआ है, यहां और भी जो जरूरत होगी, उसे राज्य सरकार पूरा करेगी। हमने वाईस चांसलर को कह दिया है कि इस महाविद्यालय में अगले सत्र से पी0जी0 की पढ़ाई प्रारम्भ होगी। यह फणीश्वरनाथ रेणु जी की धरती है, मैं इस धरती को नमन करता हूँ। अररिया में जो इंजीनियरिंग कॉलेज बन रहा है उसका नाम फणीश्वरनाथ रेणु अभियंत्रण महाविद्यालय होगा। छात्र जीवन में हम फणीश्वरनाथ रेणु जी से मिले थे, उनकी रचना और उनके साहित्य से बहुत कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने कहा कि मौसम में गड़बड़ी के कारण आज कटिहार के कार्यक्रम में नहीं जा सका, कल सुबह वहां जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार में 15 जून से ही मॉनसून की शुरुआत हो जाती थी और औसतन 1200 से 1500 मिलीमीटर वर्षापात हुआ करता था लेकिन पिछले तीस साल के वर्षापात का अगर रिकॉर्ड देखें तो यह घटकर 1027 पर पहुँच गया है। विगत 13 वर्षों के वर्षापात के आंकड़ों को देखा जाय तो बिहार में औसतन वर्षापात घटकर 901 मिलीमीटर पर रह गया है। हमने देखा कि इस वर्ष भूजल स्तर दक्षिण बिहार के साथ–साथ उत्तर बिहार के दरभंगा में भी काफी नीचे चला गया था। इसका मतलब यह है कि कुदरत हम सबको सचेत होने का संकेत दे रहा है। दुनिया के कई देशों में भूजल स्तर समाप्त हो गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान से बिहार में पुराने भूजल स्तर को प्राप्त किया जा सकेगा और पर्यावरण भी अनुकूल बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018 में बिहार के सभी 534 प्रखंडों में से 280 प्रखण्डों को सूखाग्रस्त घोषित करना पड़ा। इस साल जुलाई महीने में 13 जिलों में अतिवृष्टि, फिर सूखे की स्थिति बनी। इसके बाद गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से कई इलाके बाढ़ से प्रभावित हुए थे। जलवायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण में आए बदलाव को देखते हुए हमने 13 जुलाई 2019 को विधानमंडल सदस्यों की एक संयुक्त बैठक बुलाकर गहन विमर्श के बाद पूरे बिहार में जल–जीवन–हरियाली–अभियान चलाने का निर्णय लिया। इस अभियान में जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम को भी जोड़ा गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत 11 सूत्री कार्यक्रम को मिशन मोड में पूरा करना है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न संकट से लोगों को निजात दिलाया जा सके, इसके लिए सोख्ता निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वृहत् पैमाने पर वृक्षारोपण, अहर–पईन, तालाब, सार्वजनिक कुओं, नलकूपों का जीर्णोद्धार कराने के साथ ही उसे अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा। इस अभियान का मकसद जल को संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में बिहार में कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की मांग पर ही 1 अप्रैल 2016 से शराबबंदी लागू की गई थी। इससे महिलाओं की स्थिति बेहतर हुई है। इसके प्रति सचेत रहते हुए निरंतर अभियान चलाने की भी जरूरत है ताकि जो गड़बड़ करने वाले लोग हैं, उन्हें पकड़ा जा सके। दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ भी हम लगातार अभियान चला रहे हैं। बाल विवाह के कारण अधिकांश महिलायें मौत की शिकार होती हैं और इनसे पैदा होने वाले बच्चे कई प्रकार की बीमारियों से भी ग्रसित होते हैं। उन्होंने कहा कि खेतों में फसल अवशेष जलाए जाने की परम्परा पर पूर्णतः रोक लगनी चाहिए। खेतों में फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रभावित होने के साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी कम हो जाती है। मौसम के अनुकूल फसल चक्र में बदलाव लाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा अनुसंधान का काम शुरू करवाया गया है, इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद बिहार में हरित आवरण मात्र 9 प्रतिशत ही रह गया था। वर्ष 2012 से हरियाली मिशन के तहत 19 करोड़ पौधे लगाये गये, जिससे ग्रीन कवर एरिया बढ़कर 15 प्रतिशत तक पहुंच गया। जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत 8 करोड़ पौधे और लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अगले साल चुनाव में जाने से पहले पूरे बिहार में हर घर नल का जल पहुंचाने का काम हमलोग पूर्ण करा देंगे। नल का जल शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल है इसलिए इसका दूसरे कामों में दुरुपयोग न करें। इससे भूजल स्तर नीचे चला जायेगा। हर घर शौचालय निर्माण का काम भी लगभग पूर्ण हो चुका है और इसकी घोषणा भी जल्द ही की जायेगी। उन्होंने कहा कि यदि लोगों को खुले में शौच से मुक्ति और पीने का अगर स्वच्छ पानी मिल जाय तो 90 प्रतिशत बीमारियों से उन्हें छुटकारा मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरा काम आपकी सेवा करने के साथ ही आपको जागृत करना भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर इच्छुक परिवार तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य हमने दिसंबर 2018 तक निर्धारित किया था, जिसे तय समय से दो माह पूर्व ही पहुंचा दिया गया। पूरे बिहार में बिजली के जर्जर तारों को बदलने का काम भी लगभग पूरा हो चुका है। कृषि फीडर के माध्यम से हर इच्छुक किसानों तक बिजली पहुंचने का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा ही अक्षय ऊर्जा है जो हमें पृथ्वी का अस्तित्व बरकरार रहने तक सदैव मिलता रहेगा। कोयले का सीमित भंडार है इसलिए सौर ऊर्जा के प्रति हम लोगों को प्रेरित करेंगे। इसके लिए सभी सरकारी भवनों पर सोलर प्लेट लगाने के बाद लोगों को अपने–अपने घरों पर सोलर प्लेट लगाने के लिए हमलोग प्रेरित करेंगे।

जनसभा में उपस्थित लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से बचने एवं पर्यावरण को ठीक रखने के लिए हमें काम करना चाहिये। सात निश्चय के अलावा अन्य योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण सहित सभी क्षेत्रों में विकास के काम किये जा रहे हैं। वर्ष 2017 में 21 जनवरी को शराबबंदी के पक्ष में 4 करोड़ लोगों ने हाथों में हाथ डालकर अपनी प्रतिबद्धता जतायी थी। 21 जनवरी 2018 को भी बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ 14 हजार किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनायी गयी थी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। अब एक बार फिर 19 जनवरी 2020 को दिन के साढ़े 11 बजे दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ जबकि शराबबंदी और जल–जीवन–हरियाली अभियान को लेकर मानव श्रृंखला का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है, आप सबों की भागीदारी से यह मानव श्रृंखला पूरे देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को एक संदेश देगी।

जनसभा में मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर मानव श्रृंखला में शामिल होने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल और हरियाली के बीच ही जीवन है। इस अभियान का मकसद है जलवायु परिवर्तन में सुधार, पर्यावरण संकट से छुटकारा एवं सामाजिक जागृति लाना। उन्होंने कहा कि मनुष्य को यदि अपना और पशु–पक्षियों का जीवन बचाना है तो जल के साथ–साथ हरियाली को बचाने के लिए भी सचेत और जागरूक होना पड़ेगा। जल और हरियाली का ठीक ढंग से संरक्षण करके ही हम अपनी आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रख सकते हैं।

जनसभा को सांसद श्री प्रदीप कुमार सिंह, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पूर्णिया प्रमंडल की आयुक्त श्रीमती सफीना ए0एन0 ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधायक श्री विजय कुमार मंडल, विधायक श्री अचमित ऋषिदेव, विधायक श्री विद्यासागर केशरी, पूर्व मंत्री श्री मंजर आलम, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री संतोष सुराना, लोजपा जिलाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश शर्मा, जदयू जिलाध्यक्ष श्री आशीष रंजन, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पाण्डेय, प्रधान सचिव पथ निर्माण श्री अमृत लाल मीणा, प्रधान सचिव ग्रामीण विकास श्री अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, पूर्णिया

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेश कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, जल–जीवन–हरियाली मिशन के मिशन निदेशक श्री राजीव रौशन, बुडको के प्रबंध निदेशक श्री चंद्रशेखर सिंह, पुलिस उप–महानिरीक्षक पूर्णिया प्रक्षेत्र श्री विनोद कुमार, पुलिस अधीक्षक अररिया सुश्री धूरत सयाली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारीगण, जीविका की दीदियां एवं बड़ी संख्या में आमलोग उपस्थित थे।

******